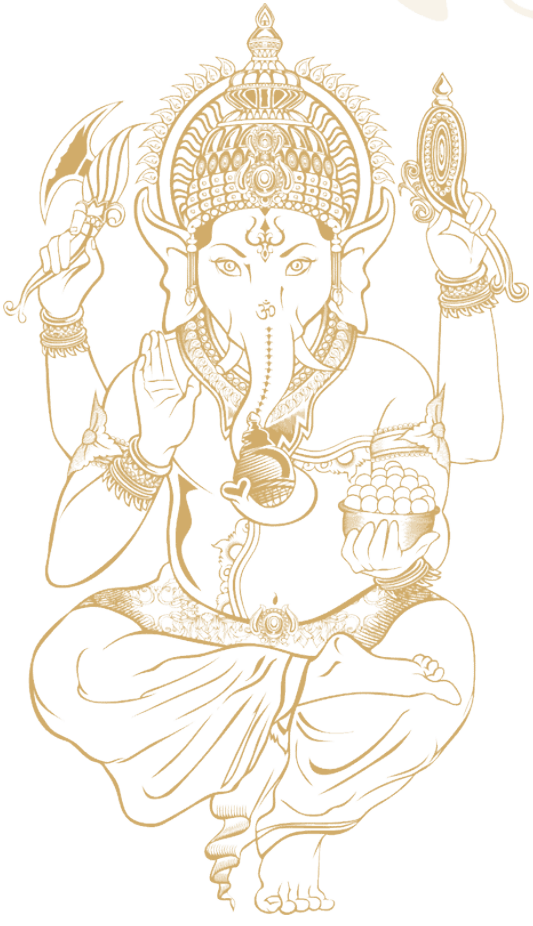

Harini Prajapati

27 Apr 2023

01:51 PM

Kishangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121263502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**27/04/2023**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:51:00 घंटे**
इष्ट	20:15:21 घटी
स्थान	**Kishangarh**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	28:31:00 उत्तर
रेखांश	77:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:29:44 घंटे
वेलान्तर	00:02:17 घंटे
साम्पातिक काल	03:50:00 घंटे
सूर्योदय	05:44:51 घंटे
सूर्यास्त	18:53:35 घंटे
दिनमान	13:08:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	12:39:05 मेष
लग्न के अंश	07:19:42 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शूल
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	07:19:42	312:59:02	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			मेष	12:39:05	00:58:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			कर्क	06:44:33	11:54:58	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	स्वराशि
मंगल			मिथु	22:49:11	00:32:41	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध	व	अ	मेष	19:51:53	00:29:16	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु		अ	मेष	01:16:59	00:14:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			वृष	24:23:03	01:07:50	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	स्वराशि
शनि			कुंभ	10:57:06	00:04:37	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	09:49:44	00:00:02	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	09:49:44	00:00:02	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	24:02:12	00:03:25	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	02:26:27	00:01:51	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	06:10:46	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			वृष	05:30:49	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:48

लग्न-चलित

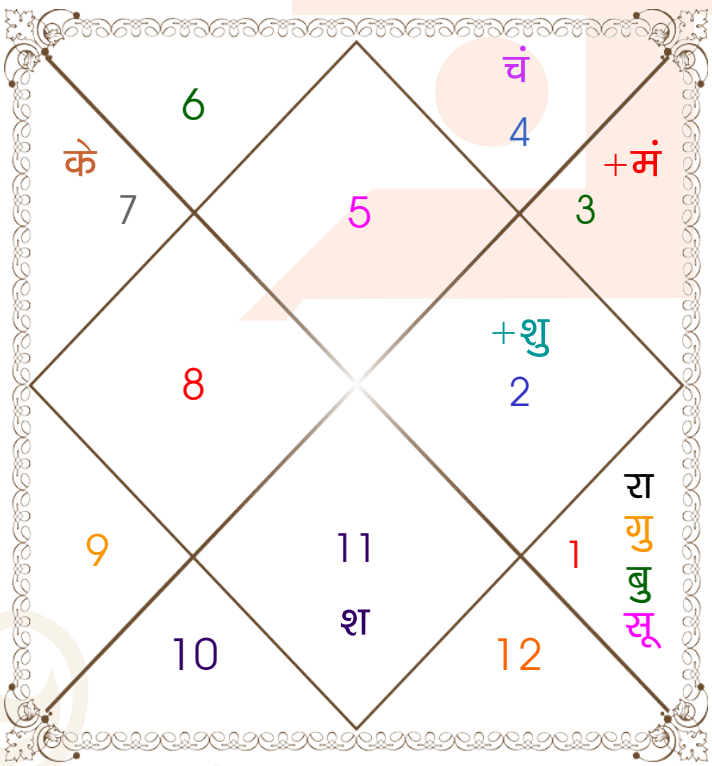

चन्द्र कुंडली

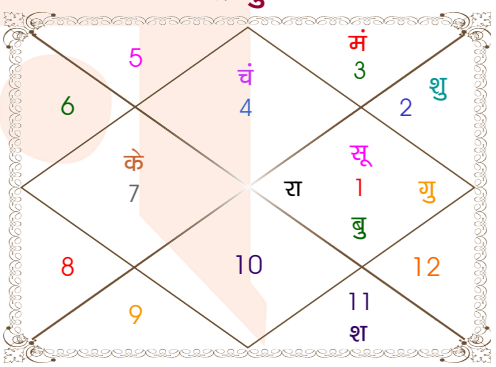

नवमांश कुंडली

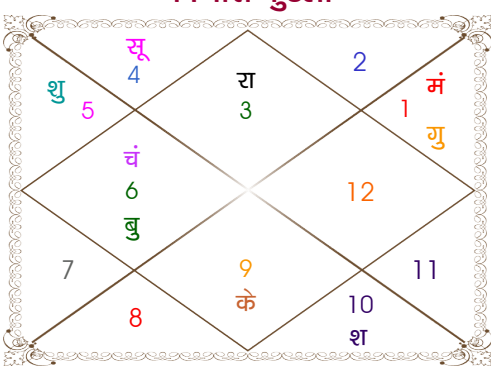

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 14 वर्ष 1 मास 21 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
27/04/2023		17/06/2037		18/06/2054		17/06/2061		17/06/2081	
17/06/2037		18/06/2054		17/06/2061		17/06/2081		18/06/2087	
	27/04/2023	बुध	14/11/2039	केतु	14/11/2054	शुक्र	17/10/2064	सूर्य	05/10/2081
बुध	29/02/2024	केतु	10/11/2040	शुक्र	14/01/2056	सूर्य	17/10/2065	चंद्र	06/04/2082
केतु	08/04/2025	शुक्र	11/09/2043	सूर्य	21/05/2056	चंद्र	18/06/2067	मंगल	11/08/2082
शुक्र	08/06/2028	सूर्य	18/07/2044	चंद्र	20/12/2056	मंगल	17/08/2068	राहु	06/07/2083
सूर्य	21/05/2029	चंद्र	17/12/2045	मंगल	18/05/2057	राहु	18/08/2071	गुरु	23/04/2084
चंद्र	20/12/2030	मंगल	14/12/2046	राहु	06/06/2058	गुरु	18/04/2074	शनि	05/04/2085
मंगल	29/01/2032	राहु	03/07/2049	गुरु	12/05/2059	शनि	17/06/2077	बुध	10/02/2086
राहु	05/12/2034	गुरु	09/10/2051	शनि	20/06/2060	बुध	17/04/2080	केतु	18/06/2086
गुरु	17/06/2037	शनि	18/06/2054	बुध	17/06/2061	केतु	17/06/2081	शुक्र	18/06/2087

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/06/2087		17/06/2097		18/06/2104		19/06/2122		19/06/2138	
17/06/2097		18/06/2104		19/06/2122		19/06/2138		00/00/0000	
चंद्र	17/04/2088	मंगल	14/11/2097	राहु	01/03/2107	गुरु	06/08/2124	शनि	22/06/2141
मंगल	16/11/2088	राहु	02/12/2098	गुरु	25/07/2109	शनि	17/02/2127	बुध	28/04/2143
राहु	18/05/2090	गुरु	08/11/2099	शनि	31/05/2112	बुध	25/05/2129		00/00/0000
गुरु	17/09/2091	शनि	18/12/2100	बुध	18/12/2114	केतु	01/05/2130		00/00/0000
शनि	18/04/2093	बुध	15/12/2101	केतु	06/01/2116	शुक्र	30/12/2132		00/00/0000
बुध	17/09/2094	केतु	13/05/2102	शुक्र	06/01/2119	सूर्य	18/10/2133		00/00/0000
केतु	18/04/2095	शुक्र	13/07/2103	सूर्य	30/11/2119	चंद्र	17/02/2135		00/00/0000
शुक्र	17/12/2096	सूर्य	18/11/2103	चंद्र	31/05/2121	मंगल	24/01/2136		00/00/0000
सूर्य	17/06/2097	चंद्र	18/06/2104	मंगल	19/06/2122	राहु	19/06/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 14 वर्ष 1 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्य संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली महिलाओं में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी स्त्री हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपको अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होंगी।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगी। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करती।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगी परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगी। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगी।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित महिला हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करती हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाली हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहती हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभाव्य है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपनी मित्रों की मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगी। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझी जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहती हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।